

प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं.135/2026)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
नई दिल्ली, 12 अक्टूबर 2026

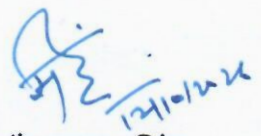
तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइट: www.trai.gov.in

30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए “भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट”

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए “भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट” जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 अप्रैल, 2026 से 30 जून, 2026 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रुझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाइट www.trai.gov.in और लिंक <http://www.trai.gov.in/release-publication/reports/performance-indicators-reports> पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए श्री विजय कुमार, सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली से दूरभाष-+91-20907773 एवं ई-मेल fea1-div@tra.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।


(पुष्पेंद्र कुमार सिंह)
सचिव-प्रभारी, भा.दू.वि.प्रा.

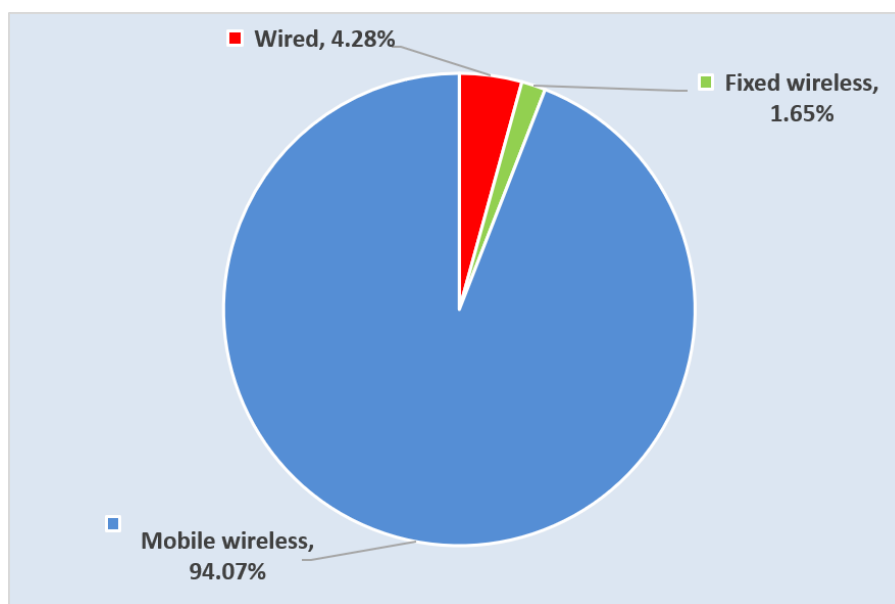
भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट

अप्रैल से जून, 2026

कार्यकारी सारांश

1. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या जून, 2026 के अंत में बढ़कर 1114.17 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2026 के अंत में 1092.79 मिलियन थी जिसमें 1.96% की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। कुल 1114.17 मिलियन इंटरनेट उपभोक्ताओं में से वायर्ड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 47.73 मिलियन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 1066.43 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

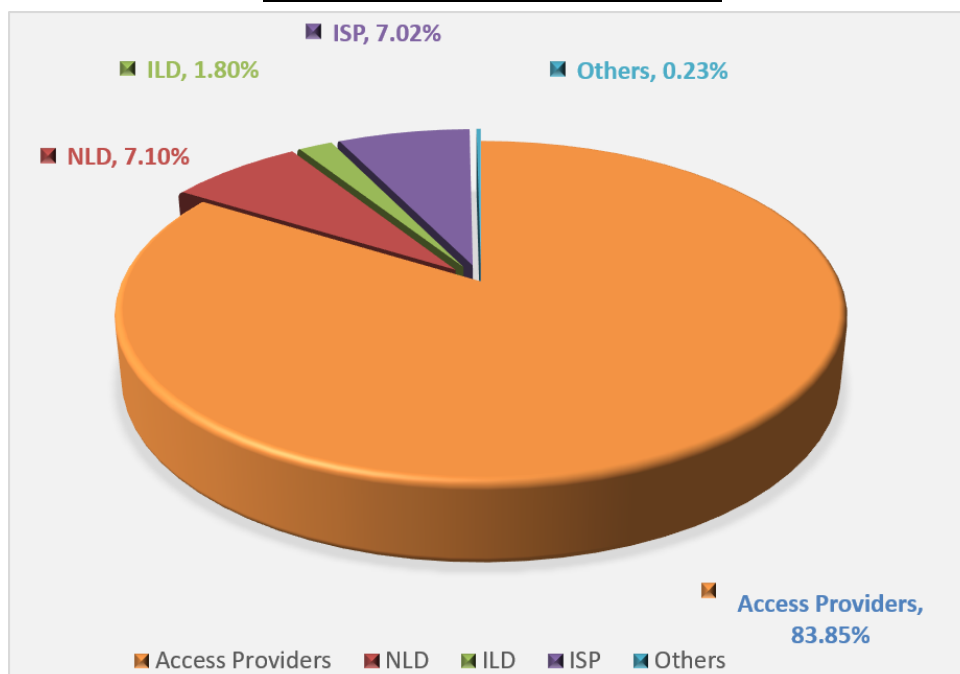


2. इंटरनेट सब्सक्राइबर बेस में 1087.50 मिलियन ब्रॉडबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर और 26.67 मिलियन नैरोबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर शामिल हैं।
3. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या अप्रैल, 2026 के अंत में बढ़कर 1087.50 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2026 के अंत में 1065.88 मिलियन थी जिसमें 2.03% की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 0.89% की तिमाही हास दर के साथ जून, 2026 के अंत में घटकर 26.67 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2026 के अंत में 26.91 मिलियन थी।

4. वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2026 के अंत में घटकर 47.82 मिलियन हो गयी जो कि मार्च, 2026 के अंत में 48.25 मिलियन थी जिसमें 0.88% की तिमाही हास दर दर्ज की गई। जून, 2026 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 0.71% की वृद्धि दर दर्ज की गई।
5. वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 1.06% की तिमाही हास दर के साथ जून, 2026 के अंत में घटकर 3.35% हो गया जो कि मार्च, 2026 के अंत में 3.38% था।
6. वायरलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 1.19% तिमाही वृद्धि दर के साथ जून, 2026 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 187.12 रुपए हो गया जो कि मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही में 184.91 रुपए था। इसी तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मासिक एआरपीयू में 3.11% की दर से वृद्धि हो गया।
7. जून, 2026 को समाप्त तिमाही के दौरान वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू 200.72 रुपए और पोस्ट-पेड के लिए एआरपीयू 114.26 रुपए है।
8. अखिल भारतीय औसत पर, प्रति माह कुल एमओयू 2.65% की तिमाही हास दर के साथ मार्च 2026 की तिमाही में 959 से घटकर जून 2026 की तिमाही में 933 हो गया।
9. जून, 2026 को समाप्त तिमाही में, प्रति सब्सक्राइबर प्रीपेड एमओयू 1055 है और प्रति सब्सक्राइबर पोस्टपेड एमओयू 279 प्रति माह है।
10. वायरलेस डेटा इस्तेमाल के लिए प्रति GB औसत रेवेन्यू प्राप्ति मार्च 2026 को खत्म होने वाली तिमाही में ₹7.51 से घटकर जून 2026 को खत्म होने वाली तिमाही में ₹7.13 हो गई, जिसमें गिरावट की तिमाही दर 5.07% रही।
11. वायरलेस (मोबाइल) डेटा सब्सक्राइबर्स की संख्या मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में 1026.75 मिलियन से बढ़कर जून 2026 को समाप्त तिमाही में 1045.55 मिलियन हो गई है, जिसमें तिमाही आधार पर 1.86% की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा, वायरलेस (मोबाइल) डेटा के इस्तेमाल की कुल मात्रा भी मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में 77,953 PB से बढ़कर जून 2026 को समाप्त तिमाही में 84,424 PB हो गई है, जिसमें 8.30% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

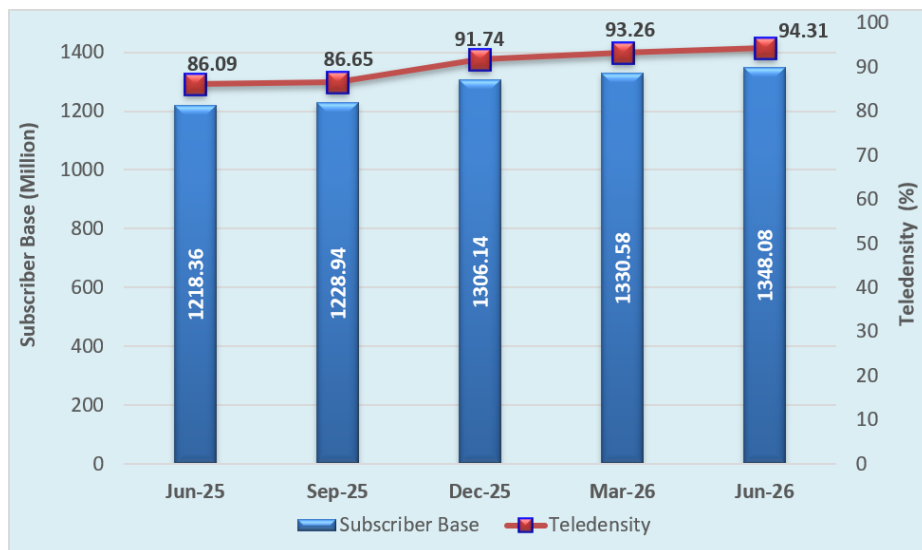
12. प्रति वायरलेस डेटा सब्सक्राइबर, हर महीने औसत वायरलेस (मोबाइल) डेटा उपयोग मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में 26.70 GB से बढ़कर जून 2026 को समाप्त तिमाही में 28.39 GB हो गया, जिसमें तिमाही ग्रोथ रेट 6.32% रही।
13. जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 1,06,797 करोड़ रुपए, 101,036 करोड़ रुपए तथा 88,796 करोड़ रुपए रहा। जून, 2026 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 1.60% की एपीजीआर में 2.43% की एवं एजीआर में 2.40% की वृद्धि दर दर्ज की गई।
14. जून 2026 में समाप्त तिमाही में जीआर, एपीजीआर तथा एजीआर की साल-दर-साल (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर, पिछले साल की इसी तिमाही की तुलना में क्रमशः 10.50%, 9.52% और 9.19% दर्ज की गई।
15. जून, 2026 को समाप्त तिमाही में 2.02% की हास दर के साथ पास-थ्रू-प्रभार पिछले तिमाही के 12,494 करोड़ रुपए से घटकर 12,241 करोड़ रुपए हो गया। हालांकि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर पास-थ्रू-प्रभार में 17.06% की वृद्धि दर्ज की गई।
16. जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क बढ़कर 7,103 करोड़ रुपए हो गया जो कि मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए 6,936 करोड़ रुपए था। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही एवं वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 2.41% तथा 9.18% रही।

समयोजित सकल राजस्व का वितरण



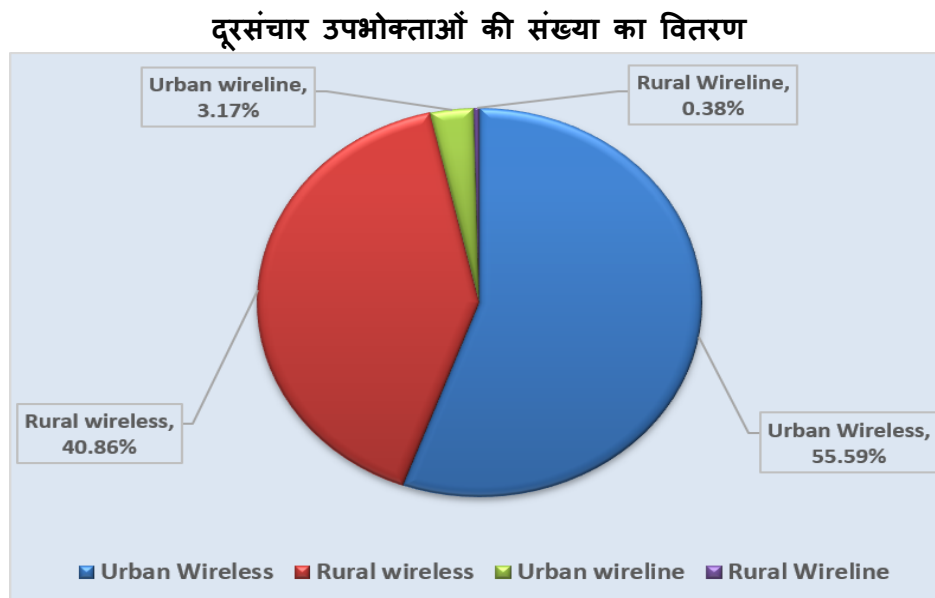
17. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 83.85% का योगदान दिया। जून, 2026 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) एवं पास-थ्रू प्रभारों में क्रमशः 1.43%, 2.86%, 2.72%, 2.73%, 2.83% और -8.83% की वृद्धि दर दर्ज की गई।
18. देश में कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2026 के अंत में बढ़कर 1348.08 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2026 के अंत में 1330.58 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.31% की वृद्धि दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर भी दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 10.65% की वृद्धि दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 31 मार्च, 2026 को 93.26% से बढ़कर 30 जून, 2026 को 94.31% हो गया।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रुझान



19. जून, 2026 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 792.06 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2026 के अंत में 778.79 मिलियन थी और इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 151.47% से बढ़कर 153.43% हो गया।
20. जून, 2026 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 556.01 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2026 के अंत तक 551.79 मिलियन थी और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 60.46% से बढ़कर 60.89% हो गया।

21. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी जून, 2026 के अंत तक घटकर 41.24% हो गई जो कि मार्च, 2026 के अंत तक 41.47% थी।



22. इस तिमाही के दौरान 17.92 मिलियन वायरलेस (मोबाइल+एफडब्ल्यूए) उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2026 के अंत तक बढ़कर 1,300.25 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2026 के अंत तक 1,282.33 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.40% की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी दौरान वर्ष-दर-वर्ष आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 11.05% की वृद्धि दर दर्ज की गयी।
23. कुल वायरलेस (मोबाइल+एफडब्ल्यूए) दूरसंचार घनत्व 1.21% की तिमाही वृद्धि दर के साथ जून, 2026 के अंत में बढ़कर 90.96% हो गया जो कि मार्च, 2026 के अंत में 89.88% था।
24. जून, 2026 को समाप्त तिमाही के दौरान 16.66 मिलियन उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि के साथ वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं की बढ़कर 1,282.38 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2026 के अंत तक 1,265.73 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.32% की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी दौरान वार्षिक आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 10.26% की वृद्धि दर दर्ज की गयी।
25. वायरलेस (मोबाइल) दूरसंचार घनत्व 1.13% की तिमाही वृद्धि दर के साथ जून, 2026 के अंत में बढ़कर 89.71% हो गया जो कि मार्च, 2026 के अंत में 88.71% था।

26. इस तिमाही के दौरान, सभी एलएसए में वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस बेंचमार्क के संदर्भ में निम्नलिखित मापदंडों का पूरी तरह से अनुपालन किया गया है: -

क्र.सं.	पैरामीटर	बेंचमार्क
1.	फॉल्ट की घटनाएं (प्रति 100 सब्सक्राइबर फॉल्ट की संख्या)	≤ 5
2.	अगले कामकाजी दिन तक खराबी ठीक करना	$\geq 85\%$
3.	तीन कामकाजी दिनों के भीतर खराबी ठीक करना	$\geq 99\%$
4.	औसत मरम्मत समय (MTTR)	≤ 10 घंटे
5.	पॉइंट ऑफ़ इंटरकनेक्शन (POI) कंजेशन (90वां प्रतिशतक मान)	$\leq 0.5\%$
6.	बिलिंग और चार्जिंग शिकायतें	$\leq 0.1\%$
7.	बिलिंग/चार्जिंग की शिकायतों का चार हफ्ते के अंदर समाधान	100%
8.	बिलिंग और चार्जिंग की शिकायतों के समाधान या खराबी को ठीक करने या बड़े नेटवर्क आउटेज को ठीक करने की तारीख से एक हफ्ते के अंदर ग्राहक के खाते में एडजस्टमेंट का आवेदन, जैसा भी लागू हो	100%
9.	कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की पहुंच	$\geq 95\%$
10.	ऑपरेटरों द्वारा 90 सेकंड के भीतर अटेंड की गई कॉल (वॉइस-टू-वॉइस) का प्रतिशत	$\geq 95\%$
11.	ग्राहक के अनुरोध की प्राप्ति के सात कार्य दिवसों के भीतर सेवा की समाप्ति/बंद करना	100%

27. इस तिमाही के दौरान, सभी एलएसए में सभी एक्सेस सेवा (वायरलेस) प्रदाताओं द्वारा पूरी तरह से अनुपालन किए गये क्यूओएस मापदंडों की सूची: -

क्र.सं.	पैरामीटर	बेंचमार्क
1	कार्यरत सेल्स के प्रतिशत के लिए सेवा प्रदाता की वेबसाइट पर सेवावार भू-स्थानिक कवरेज मानचित्र की उपलब्धता	$\geq 99\%$
2	संचयी डाउनटाइम (सेल्स सेवा के लिए उपलब्ध नहीं)	$\leq 1.5\%$
3	डाउनटाइम के कारण सबसे बुरी तरह प्रभावित सेल	$\leq 1.5\%$
4	आउटेज शुरू होने के 24 घंटे के भीतर प्राधिकरण को रिपोर्ट किए गए महत्वपूर्ण नेटवर्क आउटेज (4 घंटे से अधिक समय)	100%

	तक किसी जिले में सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं) का प्रतिशत	
5	कॉल सेट-अप सफलता दर: इंटर- सेवा प्रदाता (सेवा प्रदाता के नेटवर्क के भीतर)	$\geq 98\%$
6	कॉल सेट-अप सफलता दर: अंतर-सेवा प्रदाता (अन्य सेवा प्रदाताओं के नेटवर्क से इनकमिंग)	$\geq 95\%$
7	पॉइंट ऑफ़ इंटरकनेक्शन (POI) कंजेशन (90वां प्रतिशतक मान)	$\leq 0.5\%$
8	सर्किट स्विच (2जी/3जी) नेटवर्क के लिए डीसीआर स्थानिक वितरण माप [सीएस_क्यूएसडी (88, 88)]	$\leq 2\%$
9	पैकेट स्विच (4G/5G और उससे आगे) नेटवर्क के लिए DCR स्थानिक वितरण उपाय [PS_QSD (92, 92)]	$\leq 2\%$
10	पैकेट स्विच नेटवर्क के लिए डाउनलिक पैकेट ड्रॉप दर (4जी/5जी और उससे आगे) [डीएलपीडीआर_क्यूएसडी (88, 88)]	$\leq 2\%$
11	पैकेट स्विच नेटवर्क के लिए अपलिक पैकेट ड्रॉप दर (4जी/5जी और उससे आगे) [यूएलपीडीआर_क्यूएसडी (88, 88)]	$\leq 2\%$
12	विलंबता (4जी और 5जी नेटवर्क में)	≤ 75 मिलीसेकंड
13	पैकेट ड्रॉप रेट (4G और 5G नेटवर्क में)	$\leq 3\%$
14	मापे गए परीक्षण नमूनों का प्रतिशत मान, जिनके लिए डाउनलोड और अपलोड गति $\geq$ टैरिफ पेशकशों में पेशकश की गई सामान्य डाउनलोड और अपलोड गति	80वां प्रतिशतक
15	बिलिंग और चार्जिंग शिकायतें	$\leq 0.1\%$
16	चार सप्ताह के भीतर बिलिंग/चार्जिंग शिकायतों का समाधान	100%
17	बिलिंग और चार्जिंग शिकायतों के समाधान या दोषों के सुधार या महत्वपूर्ण नेटवर्क आउटेज के सुधार की तारीख से एक सप्ताह के भीतर ग्राहक के खाते में समायोजन का आवेदन, जैसा लागू हो	100%
18	कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की पहुंच	$\geq 95\%$
19	90 सेकंड के भीतर ऑपरेटरों द्वारा उत्तर दिए गए कॉल का प्रतिशत (वॉइस टू वॉइस)	$\geq 95\%$
20	ग्राहक के अनुरोध की प्राप्ति के सात कार्य दिवसों के भीतर सेवा की समाप्ति/बंद करना	100%
21	सेवा बंद होने या सेवा का प्रबंध न करने के 45 दिनों के भीतर जमा राशि का रिफंड	100%

28. सभी सेवा क्षेत्रों में सभी ब्रॉडबैंड (वायरलाइन) सेवा प्रदाताओं द्वारा पूरी तरह से अनुपालन किए गये क्यूओएस मापदंडों की सूची: -

क्र.सं.	पैरामीटर	बेंचमार्क
1.	विलंबता	≤50 मिलीसेकंड
2.	पैकेट ड्रॉप रेट	≤1%
3.	मापे गए टेस्ट सैंपल की पर्सेंटाइल वैल्यू जिसके लिए डाउनलोड और अपलोड स्पीड $\geq$ है, टैरिफ ऑफरिंग में आम डाउनलोड और अपलोड स्पीड	90वां प्रतिशतक
4.	जिटर	≤40ms
5.	खराबी की घटनाएं (प्रति 100 ग्राहकों पर खराबी की संख्या)	≤ 5
6.	अगले कामकाजी दिन तक खराबी ठीक करना	≥ 85%
7.	तीन कामकाजी दिनों के भीतर खराबी ठीक करना	≥ 99%
8.	बिलिंग/चार्जिंग की शिकायतें	≤ 0.1%
9.	बिलिंग/चार्जिंग की शिकायतों का चार हफ्ते के अंदर समाधान	100%
10.	कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच	≥ 95%

29. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) द्वारा कुल 917 निजी उपग्रह टीवी चैनलों को केवल अपलिंकिंग/केवल डाउनलिंकिंग/अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दोनों के लिए अनुमति दी गई है।
30. प्रसारकों द्वारा की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 906 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से, 30 जून 2026 तक, 342 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। इन 342 सैटेलाइट पे चैनलों में, 238 एसडी और 104 एचडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। ट्राई को सूचित किए गए इन पे चैनलों के अलावा, एमआईबी द्वारा अनुमत शेष 566 चैनलों को फ्री-टू-एयर (एफटीए) चैनल है।
31. भारत में डीटीएच ब्रॉडकास्टिंग सर्विस देने वाले 4 पेड डीटीएच ऑपरेटर हैं। इन पेड डीटीएच ऑपरेटरों की ओर से भादूविप्रा को दी गई जानकारी के अनुसार, 30 जून 2026 तक पेड डीटीएच सर्विस के कुल एक्टिव सब्सक्राइबर 48.56 मिलियन थे। यह संख्या डीडी फ्री डिश (प्रसार भारती की फ्री डीटीएच सर्विस) के सब्सक्राइबर के अलावा है। पेड डीटीएच सर्विस के कुल एक्टिव सब्सक्राइबर मार्च 2026 में खत्म होने वाली तिमाही में 49.09 मिलियन से घटकर जून 2026 में खत्म होने वाली तिमाही में 48.56 मिलियन हो गए हैं।

32. एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा भादूविप्रा को दी गई जानकारी के अनुसार, 31 मार्च 2026 तक, 31 प्राइवेट FM रेडियो ऑपरेटरों द्वारा 120 शहरों में 390 प्राइवेट एफएम रेडियो चैनल चलाए जा रहे थे। 30 जून 2026 को खत्म होने वाली तिमाही के दौरान, 14.06.2026 से पांच चैनलों की परमिशन सरेंडर कर दी गई हैं। इसके अलावा, M/s HT मीडिया लिमिटेड ने 19.04.2026 से एक नए शहर (मुरादाबाद) में एक नया चैनल शुरू किया है। इसलिए, 30 जून 2026 तक, 30 प्राइवेट FM रेडियो ऑपरेटरों द्वारा 121 शहरों में 386 प्राइवेट एफएम रेडियो चैनल चलाए जा रहे हैं।
33. 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही के दौरान 391 निजी एफएम रेडियो चैनलों के संबंध में एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा रिपोर्ट की गई विज्ञापन राजस्व ₹376.16 करोड़ रुपये है, जबकि पिछली तिमाही यानी 31 मार्च 2026 के लिए 390 निजी एफएम रेडियो चैनलों के संबंध में यह ₹414.03 करोड़ रुपये थी।
34. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 30 जून, 2026 को देश में कुल 578 सामुहिक रेडियो स्टेशन चालू हैं।

मुख्य झलकियां

30 जून, 2026 की स्थिति के अनुसार डाटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वायरलेस+वायरलाइन)	
कुल उपभोक्ता	1,348.08
पिछले तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	मिलियन 1.31%
शहरी उपभोक्ता	792.06 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	556.01 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	92.50%
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	7.50%
दूरसंचार घनत्व	94.31%
शहरी दूरसंचार घनत्व	153.43%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	60.89%
दूरसंचार घनत्व (M2M सेल्युलर मोबाइल के बिना)	84.88%
वायरलेस उपभोक्ता	
वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ता	1,282.38
वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर (एम2एम के बिना)	1147.65 मिलियन
वायरलेस (एफडब्ल्यूए) उपभोक्ता	17.87 मिलियन
कुल वायरलेस उपभोक्ता (मोबाइल + एफडब्ल्यूए)	1,300.25
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	मिलियन 1.40%
शहरी उपभोक्ता	749.39 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	550.86 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	92.83%
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	7.17%
दूरसंचार घनत्व	90.96%
शहरी दूरसंचार घनत्व	145.17%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	60.32%
दूरसंचार घनत्व (M2M सेल्युलर मोबाइल के बिना)	81.54%
तिमाही के दौरान कुल वायरलेस (मोबाइल) डाटा यूसेज	84,424 पेटाबाइट
पब्लिक मोबाइल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	65,686
वीसैट की कुल संख्या	1,84,579
वायरलाइन उपभोक्ता	
कुल वायरलाइन उपभोक्ता	47.82 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन*	-0.88%
शहरी उपभोक्ता	42.68 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	5.15 मिलियन
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	16.59%

निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	83.41%
दूरसंचार घनत्व	3.35%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.56%
शहरी दूरसंचार घनत्व	8.27%
तिमाही के दौरान कुल वायरलाइन (वायर्ड) एक्सेस डेटा यूसेज	54,303 पेटाबाइट
पब्लिक काल आफिसों की संख्या (पीसीओ)	4,843
दूरसंचार वित्तीय आंकड़े	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	1,06,797 करोड़
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	1.60%
तिमाही के दौरान प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर)	1,01,036 करोड़
पिछली तिमाही की तुलना में एपीजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.43%
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	88,796 करोड़
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.40%
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	2.92%
इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ता	1,114.17
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.96%
नैरोबैंड उपभोक्ता	26.67 मिलियन
ब्राडबैंड उपभोक्ता	1087.50 मिलियन
फिक्सड (वायरड) एक्सेस इंटरनेट उपभोक्ता	47.73 मिलियन
वायरलेस (फिक्सड + मोबाइल) एक्सेस इंटरनेट उपभोक्ता	1066.43 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	666.09 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	448.08 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ता	77.94
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	129.03
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	49.07
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (आऊटगोईंग) उपयोग मिनट	73.97 मिलियन
सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट की संख्या	55,233
तिमाही के दौरान सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट में कुल खपत किया गया डेटा	7,541
प्रसारण और केबल सेवाएं	
पे ब्रॉडकास्टर की संख्या	37
केवल अपलिकिंग/केवल डाउनलिकिंग/अपलिकिंग एवं डाउनलिकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	915
प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट किये गये पे-टीवी चैनलों की संख्या	342
लाइसेंस प्राप्त पे डीटीएच ऑपरेटरों की संख्या	4
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या	48.56 मिलियन

पंजीकृत एमएसओ की संख्या	736
एचआईटीएस ऑपरेटरों की संख्या	2
एमआईबी को स्व-घोषणा पत्र जमा करने वाले आईपीटीवी ऑपरेटरों की संख्या	76
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	386
आपरेशनल एफएम रेडियो चैनलों वाले मौजूदा शहरों की संख्या (ऑल इंडिया रेडियो को छोड़कर)	121
तिमाही के दौरान एफ एम रेडियो विज्ञापन से आय	₹376.16 करोड़
आपरेशनल कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	578
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय (एआरपीयू)	187.12 रुपए
वायरलेस सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट	933 मिनट
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डाटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह औसत डाटा उपयोग	28.39 जीबी
तिमाही के दौरान वायरलेस सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा प्रयोग के लिए औसत मूल्य	7.13 रुपए